अध्यक्ष महोदय : जो पोजीशन थी उसको मैंने साफ कर दिया है। यह मेरे पास आये थे और इन्होंने यह कहा कि कोई नयी चीज है तो मैं ने कहा.... (व्यवधान)

श्री श्यामनन्दन मिश्र : आपके ज्वाइन्ट सैक्रेटरी ने मुझे को फोन किया कि दूसरी कापी दीजिए उसको मिनिस्टर के पास भेजा जायेगा।... (व्यवधान)...

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, आप अपना दिमाग खुला रहने दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : अगर आप नहीं चाहते कि नहीं भेजूं, तो मैं खुद देख लूंगा अपनी तसल्ली के लिये।

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: As regards yesterday's matter, that is finished. If the hon. Member comes forward with a fresh one, I shall have to examine it on merits.

SHRI PILOO MODY: But remember that it has to go with Maruti. Please do not forget it.

MR. SPEAKER: I shall have to satisfy myself...

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, कल यह जब आप की चैम्बर में आयें तो आप टेप रेकार्ड कर लें ताकि हम को मालूम हो कि इन्होंने वहां क्या कहा।

अध्यक्ष महोदय : अब मैंने ऐसा फैसला किया है कि मेरे पास जब कोई आयेगा तो मैं अपना टेप रिकार्ड जरूर रखूंगा।

श्री हुकम चन्द कछवाय : प्रधान मंत्री जब आप की चैम्बर में आ कर दबाव देती हैं कि उन के खिलाफ़ कोई सवाल स्वीकार न किया जाय, तो उस को भी आप टेप रेकार्ड करेंगे क्या ?

अध्यक्ष महोदय : अगर आप को हर वक्त ही ऐसे करना है तो क्या फ़ायदा है यहां बैठने का जिस की मर्जी आये जो कहे, तब तो मुश्किल हो जायगी। आप बैठिए।

14.42 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

NAVAL CEREMONIAL, CONDITIONS OF SERVICE AND MISCELLANEOUS (5TH AMENDMENT) REGULATION, 1972

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI J. B. PATNAIK): I beg to lay on the Table—

(1) A copy of the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous (Fifth Amendment) Regulations, 1972 (Hindi and English versions) published in Notification No. S.R.O. 314 in Gazette of India dated the 2nd December, 1972, under section 185 of the Navy Act, 1957.

(2) A statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the above Notification. [*Placed in Library. See* No. LT-4419/73]

REVIEW AND ANNUAL REPORT OF HINDUSTAN ZINC LTD. UDAIPUR

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI SUKHDEV PRASAD): I beg to lay on the Table a copy each of